A-289

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAHL–301

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं काव्यशास्त्र

Bachelor of Arts (BA)

3rd Year Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा पर सविस्तार चर्चा करते हुए शुक्ल पूर्व हिन्दी के प्रमुख साहित्येतिहासों का परिचयात्मक विवेचन कीजिए।

2. हिन्दी साहित्य के कालविभाजन और नामकरण का परिचय देते हुए आदिकाल के नामकरण वैविध्य पर सविस्तार टिप्पणी लिखिए।

3. भक्ति संबंधी विभिन्न दार्शनिक सिद्धातों का परिचयात्मक विवरण दीजिए।

4. छायावादोत्तर हिन्दी काव्य आंदोलनों का परिचय देते हुए नई कविता की प्रमुख विशेषताओं का सोदाहरण परिचय दीजिए।

5. भारतीय एवं पाश्चात्य आचार्यों के अनुसार काव्य क्या है ? काव्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सूफी काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

2. रीतिमुक्त काव्याधारा के प्रमुख रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय देते हुए इस काव्य धारा की विशेताओं पर टिप्पणी लिखिए।

3. आधुनिक हिन्दी साहित्य में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान पर चर्चा कीजिए।

4. भरतेंदुयुगीन साहित्य में राष्ट्रीयता की भावना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

5. प्रयोगवाद से आप क्या समझते हैं ? प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों को सोदाहरण समझाइए।

6. काव्य हेतु एवं काव्य प्रेरणा के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

7. शब्द शक्ति से आप क्या समझते हैं ? शब्द शक्तियों का परिचयात्मक विवरण दीजिए।

8. पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के विकास के प्रमुख चरणों का परिचय संक्षेप में दीजिए।

****